

कमल 'जङ्गली' आचार्यको जीवनी, व्यक्तित्व र कृतित्व

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र
सङ्कायअन्तर्गत नेपाली केन्द्रीय विभागको
स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्षको दसौं
पत्रको प्रयोजनका लागि
प्रस्तुत

शोधपत्र

शोधार्थी
जीवनाथ सिटौला
नेपाली केन्द्रीय विभाग
त्रिभुवन विश्वविद्यालय,
कीर्तिपुर, काठमाडौं

२०६३

कमल 'जङ्गली' आचार्यको जीवनी, व्यक्तित्व र कृतित्व

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र
सङ्कायअन्तर्गत नेपाली केन्द्रीय विभागको
स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्षको दसौं
पत्रको प्रयोजनका लागि
प्रस्तुत

शोधपत्र

शोधार्थी
जीवनाथ सिटौला
नेपाली केन्द्रीय विभाग
त्रिभुवन विश्वविद्यालय,
कीर्तिपुर, काठमाडौं

२०६३

शोधनिर्देशकको मन्तव्य

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्कायअन्तर्गत नेपाली स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्षका विद्यार्थी जीवनाथ सिटौलाले कमल 'जङ्गली' आचार्यको जीवनी व्यक्तित्व र कृतित्व शीर्षकको शोधपत्र मेरा निर्देशनमा तयार पार्नुभएको हो । परिश्रमपूर्वक तयार पारिएको उहाँको शोधकार्यसँग म सन्तुष्ट छु र आवश्यक मूल्याङ्कनका लागि सिफारिस गर्दछु ।

मिति: २०६३/१०/१

उप.प्रा. ईश्वरीप्रसाद गैरे
शोधनिर्देशक
नेपाली केन्द्रीय विभाग
त्रि.वि., कीर्तिपुर
काठमाडौं ।

स्वीकृति-पत्र

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्घायअन्तर्गत विश्वविद्यालय क्याम्पसका छात्र जीवनाथ सिटौलाले त्रि.वि. नेपाली केन्द्रीय विभाग स्नातकोत्तर तह (एम.ए) नेपाली विषयको दसौं पत्रको प्रयोजनका लागि प्रस्तुत गर्नुभएको कमल 'जङ्गली' आचार्यको जीवनी, व्यक्तित्व र कृतित्व शीर्षकको शोधपत्र स्वीकृत गरिएको छ ।

शोधमूल्याङ्कन समिति

| क्र.सं | नाम | |
|--------|----------------------------------|-------|
| १ | प्रा. घनश्याम उपाध्याय | _____ |
| | (नि. विभागीय प्रमुख) | |
| | नेपाली केन्द्रीय विभाग, त्रि.वि. | |
| २ | उप.प्रा. ईश्वरीप्रसाद गैरे | _____ |
| | (शोधनिर्देशक) | |
| | नेपाली केन्द्रीय विभाग, त्रि.वि. | |
| ३ | प्रा.मोहनराज शर्मा | _____ |
| | (बाह्य परीक्षक) | |

मिति: २०६३/१०/७

कृतज्ञताज्ञापन

प्रस्तुत शोधपत्र त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाली केन्द्रीय विभागअन्तर्गत स्नातकोत्तर तह, दोस्रो वर्षको दसौं पत्रको ऐच्छिक प्रयोजनका लागि आदरणीय गुरु ईश्वरीप्रसाद गैरेज्यूको निर्देशनमा रही तयार पारेको हुँ । आफ्नो अतिव्यस्त समयमा पनि अमूल्य सुभाउ, सल्लाह र मार्गनिर्देशन गरेर यस शोधकार्यको लेखनमा प्रारम्भदेखि अन्तिम क्षणसम्म विश्वविद्यालयका अतिरिक्त घरमा समेत समय दिई अभिप्रेरित गर्नुहुने मेरा शोधनिर्देशक श्रद्धेय गुरुज्यूप्रति म हार्दिक आभार एवम् कृतज्ञता प्रकट गर्दछु ।

शोधपत्रको तयारीक्रममा सहयोग गर्दै शीघ्रताका निम्ति प्रेरणा प्रदान गर्नुहुने नेपाली केन्द्रीय विभागका श्रद्धेय गुरुवर्गहरूका अतिरिक्त अन्य विद्वान् वर्गहरूप्रति शब्दश्रद्धा प्रकट गर्दछु । प्रस्तुत शोधपत्र तयार गर्ने सिलसिलामा आवश्यक सामग्री उपलब्ध गराई आफ्नो जीवनका विविध पक्षबारे लिखित तथा मौखिक जानकारी दिएर सहयोग गर्नुहुने मेरा आदरणीय शोधनायक साहित्यकार कमल 'जङ्गली' आचार्यज्यूप्रति हार्दिक कृतज्ञताज्ञापन गर्दछु । शोधनायकका बारेमा सूचना तथा जानकारी दिने शोधनायककी श्रीमती जयकला आचार्य तथा छोरा टड्क आचार्यलाई पनि धन्यवाद दिन चाहन्छु ।

शोधपत्र तयार पार्ने क्रममा आवश्यक पुस्तक तथा पत्रिका उपलब्ध गराई सहयोग पुऱ्याउनु हुने केन्द्रीय पुस्तकालय र विभागीय पुस्तकालय तथा सम्बन्धित कर्मचारीवर्गहरूप्रति पनि हार्दिक आभार प्रकट गर्दछु ।

शिक्षार्जनको यस अवस्थासम्म पनि समुचित वातावरण प्रदान गर्नुहुने पूजनीय बाबा विष्णुप्रसाद सिटौला तथा आमा धनमाया र लीलादेवीको अहम् भूमिकाप्रति श्रद्धावनत छु । त्यसैगरी शोधलेखनका क्रममा सल्लाह र हौसला प्रदान गर्नुहुने दिदी पुष्पा तिवारी, भाइ ख्याम सिटौला तथा मित्रहरू भोला घिमिरे, वासु शर्मा, देवी सङ्ग्रौला, भगीरथ ढकाल र यादव गौतमलाई धन्यवाद दिन चाहन्छु । साथै यस शोधपत्रलाई छिटो-छरितो रूपमा टड्कण गर्ने 'फ्रेन्ड्स कम्प्युटर सर्भिस' का विश्व महर्जनप्रति पनि धन्यवाद प्रकट गर्दछु ।

मिति: २०६३/१०/१

जीवनाथ सिटौला

विषयसूची

| | पृष्ठ |
|--|-------|
| पहिलो परिच्छेद : शोधपरिचय | १-५ |
| १.१ शोधशीर्षक | १ |
| १.२ शोधकार्यको प्रयोजन | १ |
| १.३ विषयपरिचय | १ |
| १.४ समस्याकथन | २ |
| १.५ उद्देश्य | २ |
| १.६ पूर्वकार्यको समीक्षा | ३ |
| १.७ शोधकार्यको औचित्य, महत्त्व र उपयोगिता | ४ |
| १.८ शोधकार्यको सीमाङ्कन | ४ |
| १.९ सामग्रीसङ्कलन र शोधविधि | ४ |
| १.१० शोधपत्रको रूपरेखा | ५ |
| दोस्रो परिच्छेद : साहित्यकार कमल 'जङ्गली' आचार्यको जीवनी | ६-२४ |
| २.१ जन्म र जन्मस्थान | ६ |
| २.२ वंशपरम्परा | ६ |
| २.३ बाल्यकाल र स्वभाव | ७ |
| २.४ पितृ-मातृवियोग | ८ |
| २.५ शिक्षा- दीक्षा | ९ |
| २.६ विवाह र सन्तान | १० |
| २.७ कार्यक्षेत्रमा प्रवेश | १२ |
| २.७.१ शिक्षणपेशा | १३ |
| २.७.२ स्वास्थ्यसेवा | १४ |
| २.८ गाउँ र जिल्लामा गरेका कार्यहरू | १५ |

| | | |
|--|---|--------------|
| २.९ | सामाजिक-साहित्यिक गतिविधिसँगको संलग्नता | १७ |
| २.१० | राजनीतिमा प्रवेश | १८ |
| २.११ | भ्रमण र रुचि | १९ |
| २.१२ | सम्मान र पुरस्कार | २० |
| २.१३. | स्मरणीय सुख-दुःखका क्षणहरू | २१ |
| २.१४ | लेखन | २२ |
| | २.१४.१ लेखनका लागि प्रभाव र प्रेरणा | २२ |
| | २.१४.२ लेखनप्रारम्भ र प्रकाशनको थालनी | २३ |
| | २.१४.३ लेखनकार्य | २३ |
| २.१५ | जीवनदर्शन र साहित्यिक मान्यता | २३ |
| तेस्रो परिच्छेद : साहित्यकार कमल 'जङ्गली' आचार्यको व्यक्तित्व | | २५-३६ |
| ३.१ | पृष्ठभूमि | २५ |
| ३.२ | शारीरिक सामान्य व्यक्तित्व | २५ |
| ३.३. | व्यक्तित्वका विभिन्न पाटाहरू | २६ |
| | ३.३.१ साहित्यिक व्यक्तित्व | २६ |
| | ३.३.१.१ कथाकार व्यक्तित्व | २७ |
| | ३.३.१.२ कविव्यक्तित्व | २७ |
| | ३.३.१.३ सम्पादक व्यक्तित्व | २८ |
| | ३.३.१.४ निबन्धकार व्यक्तित्व | २९ |
| | ३.३.२ साहित्येत्तर व्यक्तित्व | ३० |
| | ३.३.२.१ सामाजिक-सांस्कृतिक व्यक्तित्व | ३० |
| | ३.३.२.२ राजनैतिक व्यक्तित्व | ३१ |
| | ३.३.२.३ शिक्षकव्यक्तित्व | ३३ |
| | ३.३.२.४ जागिरेव्यक्तित्व | ३४ |
| ३.४ | जीवनी, व्यक्तित्व र साहित्यिक लेखनबीचको अन्तर्सम्बन्ध | ३४ |

चौथो परिच्छेद : कथाकार कमल 'जङ्गली' आचार्यको साहित्यिक

कृतिको विश्लेषण

३७-१०८

| | | |
|--------|-------------------------------------|----|
| ४.१ | कथाको विश्लेषण | ३७ |
| ४.१.१ | को होला ? | ३७ |
| ४.१.२ | ऊ फेरि फर्कला ? | ४३ |
| ४.१.३ | पुर्परो बलियो भएपछि . . . | ४८ |
| ४.१.४ | तारा, माला | ५० |
| ४.१.५ | पूर्णमा | ५४ |
| ४.२ | कविताको विश्लेषण | ६० |
| ४.२.१ | मनलाग्यो | ६१ |
| ४.२.२ | यी मेरा सन्तान वीशौं शदीका व्यङ्ग्य | ६३ |
| ४.२.३ | भौतिक जगत् र अध्यात्मवाद | ६५ |
| ४.२.४ | शान्तिका दूत | ६६ |
| ४.२.५ | आविष्कार | ६८ |
| ४.२.६ | सङ्केत दिएनौ | ७० |
| ४.२.७ | यौवनमत्त दमक | ७२ |
| ४.२.८ | म र प्रजातन्त्र | ७४ |
| ४.२.९ | यहाँ यस्तै छ ! | ७६ |
| ४.२.१० | प्र.म.अ.लाई शुभेच्छा | ७७ |
| ४.२.११ | जीवनको संभ्रना | ७९ |
| ४.२.१२ | शहीदहरूलाई स्मरण पत्र | ८१ |
| ४.२.१३ | प्रजातन्त्र, कुर्सी र पैसा | ८३ |
| ४.२.१४ | जनता | ८४ |

| | | |
|--------|---------------------|-----|
| ४.२.१५ | नव वर्ष | ८६ |
| ४.२.१६ | चट्याड पर्न सक्छ | ८७ |
| ४.२.१७ | सुखानी | ८९ |
| ४.२.१८ | सच्चा देशभक्त प्रति | ९० |
| ४.३ | लेखको विश्लेषण | ९१ |
| ४.३.१ | चिठ्ठी/सन्देश | ९१ |
| ४.३.२ | भविष्यवाणी | ९४ |
| ४.३.३ | संस्मरण | ९६ |
| ४.३.४ | आलेख | ९९ |
| ४.३.५ | चिनारी | १०४ |

| | |
|--|---------|
| पाँचौं परिच्छेद: कमल 'जङ्गली' आचार्यको साहित्यिक योगदान र स्थाननिर्धारण | १०९-११६ |
|--|---------|

| | | |
|-----|-------------------------------------|-----|
| ५.१ | कथागत योगदान | १०९ |
| ५.२ | स्थाननिर्धारण | ११० |
| ५.३ | कवि 'जङ्गली' को कवितात्मक योगदान | ११२ |
| ५.४ | 'जङ्गली' को कवितात्मक स्थाननिर्धारण | ११३ |

| | |
|--------------------------|---------|
| छैटौं परिच्छेद : उपसंहार | ११७-११८ |
|--------------------------|---------|

सन्दर्भग्रन्थसूची

परिशिष्ट

सङ्क्षेपीकृत शब्दसूची

| | | |
|-----------|---|----------------------------------|
| अप्र. | : | अप्रकाशित |
| आई.ए. | : | इन्टरमेडियट अफ आर्ट्स |
| ई. | : | इस्वी |
| एस.एल.सी. | : | स्कूल लिभिड सर्टिफिकेट |
| गा.वि.स. | : | गाउँ विकास समिति |
| डि.डि.टी. | : | डिप्लोरो डाइफिनाइल टाइक्लोरोइथेन |
| त्रि.वि. | : | त्रिभुवन विश्वविद्यालय |
| नि.मा.वि. | : | निम्नमाध्यमिक विद्यालय |
| प्र.का. | : | प्रधान कार्यलय |
| प्र.अ. | : | प्रधानअध्यापक |
| प्रा. | : | प्राध्यापक |
| प्रा.डा. | : | प्राध्यापक डाक्टर |
| प्रा.वि. | : | प्राथमिक विद्यालय |
| पृ. | : | पृष्ठ |
| बी.ए. | : | ब्याचलर अफ आर्ट्स |
| मा.वि. | : | माध्यमिक विद्यालय |
| रू. | : | रूपैया |
| वि.सं. | : | विक्रम सम्वत् |
| सम्पा. | : | सम्पादक |